"सामाजिक विज्ञान के छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत

क्रियात्मक अनुसंधान

सत्र : 2010-2011

निर्देशक:

श्री मोहम्मद आरिफ

शिक्षक- शिक्षण प्रशिक्षण विभाग

अनुसंधानकर्ता:

रवि कुमार गुप्ता

बी० एड० (छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

घोषणा-पत्र

मैं **रवि कुमार गुप्ता** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान मेरी मौलिक कृति हैं तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान किसी दूसरे छात्र या छात्रा के द्वारा प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **"श्री मोहम्मद आरिफ"** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता के द्वारा इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया गया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

(रवि कुमार गुप्ता)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुतक्रियात्मक अनुसंधान **"सामाजिक विज्ञान के छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"** हैं।

मैं सर्वप्रथम उस सर्वशक्तिमान "ईश्वर" के प्रति अपना अभार प्रकट करता हूँ जिसने मुझे इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना करने योग्य बनाया।

मैं अपने निर्देशक **"श्री मोहम्मद आरिफ"**का अत्यधिक आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणामस्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं आदरणीय **श्री अंसार अहमद**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, कानपुर का भी आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात मैं हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, चमनगंज, कानपुर के अध्यापकों तथा "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाँधी नगर, कानपुर" के अध्यापकों तथा प्रधानाचार्य को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

शोधकर्ता

(रवि कुमार गुप्ता)

Snow Kids

"क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारितप्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन"

परियोजना का शीर्षक	:	"सामाजिक विज्ञान के छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरुचि के कारणो का अध्ययन"
अनुसंधानकर्ताका नाम	:	रवि कुमार गुप्ता
अनुसंधान निर्देशकका नाम	:	श्री मोहम्मद आरिफ
विद्यालय का नाम	:	डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतरमाध्यमिक विद्यालय, गॉधी नगर, कानपुर
कक्षा	:	9
अनुसंधान की अवधि	:	25 जनवरी 2011 से 21 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

"सामाजिक विज्ञान के छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरूचि के कारणो का अध्ययन"

समस्या की पृष्ठभूमि

छात्राध्यापक ने कक्षा अध्यापन कार्य करते समय देखा कि कुछ छात्र इतिहास विषय के घण्टे में अनुपस्थित रहते हैं तथा शेष छात्र भी इतिहास विषय में रूचि नही लेते। जिसके कारण शिक्षण प्रकिया प्रभावशाली रूप से न चल पाने तथा अनुशासन भंग हो जाने की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं और शिक्षण कार्य प्रभावित होता हैं। जैसे बच्चे शोर करने लगते हैं, शिक्षण कार्य में रूचि न लेते हुये दूसरे विषयों की किताबे पढ़ने लगते हैं या पीछे बैठने वाले छात्र एक दूसरे से अन्य विषयों पर बातचीत करने लगते हैं या अपने चेहरे पर ऐसे भाव उत्पन्न करने लगते हैं जैसे यह शिक्षण कार्य उन पर बोझ हो और कभी-कभी शिक्षण कार्य वाले घण्टे में छात्र कक्षा से पलायन भी कर जाते हैं। यह सभी कारण छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरूचि को दशति हैं और इस अरूचि का प्रभाव छात्रों पर तथा छात्र के स्वयं के परीक्षाफल पर और कुल मिलाकर विद्यालय के परीक्षाफल पर भी पड़ता हैं। जिससे विद्यालय का नाम भी खराब होता हैं।

अतः उपरोक्त समस्या का अनुभव करते हुये छात्राध्यापक ने इतिहास विषय के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करने के लिये इस समस्या के कारणो का अध्ययन किया तथा एक परियोजना के आधार पर इसे हल करने का प्रयास किया।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

छात्राध्यापक ने इस समस्या के अध्ययन हेतु एक परियोजना बनाई जिसके उद्देश्य निम्न् हैं-

- ✓ विद्यार्थियों को इतिहास विषय या इतिहास शिक्षाण के महत्व व समय की उपयोगिता का ज्ञान कराना।
- ✓ विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के स्तर को उठाने के लिये पाठ्य सहगामी क्रियाओ का आयोजन कराना।
- ✓ विद्यार्थियों को अतीत की घटनाओं का वर्णन करते हुये वर्तमान में इतिहास शिक्षाण के महत्व को बताते हुये इतिहास अध्ययन के लिये प्रेरित करना।
- ✓ शिक्षाण प्रक्रिया के दौरान अनुशासनहीनता के कारणो तथा इतिहास विषय के प्रति अरूचि के कारणो का पता लगाकर उसको दूर करना।
- ✓ विद्यालय के वातावरण को सुधारने के लिये कार्यक्रम बनाना।
- ✓ विद्यार्थियों की रूचियों, आवश्यकताओं एवं योग्यताओं को समझकर उनके अनुरूप शिक्षाण प्रक्रिया अपनाने में शिक्षक की सहायता करना।
- ✓ छात्रो को मुगलकाल, आधुनिक काल तथा इतिहास शिक्षा से सम्बन्धित अतीत की घटनाओं का वर्णन करते हुये उनमें इतिहास शिक्षाण के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- ✓ विद्यार्थियों के समुह में विषय से सम्बन्धित कार्य देकर उनमें सहयोग की भावना को जाग्रत करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

यह परियोजना इतिहास विषय में अरूचि रखने छात्रों तथा उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षाको के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। छात्र इसके द्वारा प्रेरणा प्राप्त करके इतिहास शिक्षण में रूचि ले सकते हैं, जबकि शिक्षाक इसके द्वारा प्राप्त कारणो को दूर करके अपने शिक्षण कार्य को और भी अधिक प्रभावशाली बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह परियोजना अनेक लोगो के लिये महत्वपूर्ण हैं क्योकि:-

- ❖ इस परियोजना पर कार्य करके छात्रों को ऐतिहासिक घटनाओं का गहन अध्ययन करने के लिये प्रेरित किया जा सकता हैं।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- ❖ इस परियोजना के द्वारा छात्रों में विद्यालय में उपस्थित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता हैं।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से इतिहास विषय के प्रति अरूचि से उत्पन्न हानियों के विषय में जानकारी देकर, उनमें इतिहास विषय के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से छात्रों के मानसिक व शारीरिक विकास के स्तर को उठाने का प्रयत्न किया जाता हैं।
- ❖ इस परियोजना की सहायता से छात्रों के परिक्षाफल में इतिहास विषय में अंक बढ़ाये जा सकते हैं, जिससे विद्यालय का परिक्षाफल भी अच्छा होगा और विद्यालय के सम्मान में भी वृद्धि होगी।
- ❖ इस परियोजना के माध्यम से छात्रों को अतीत की घटनाओं का वर्णन करते हुये भविष्य में होने वाली त्रुटियों व समस्याओं अवगत कराया जा सकता हैं।

Snow Kids

"छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरूचि" के कारण

छात्रों में इतिहास विषय के प्रति अरूचि के कई कारण होते हैं। इन कारणों में व्यक्तिगत या परिवारिक कारण,आर्थिक कारण, सामाजिक कारण एवं मनौवैज्ञानिक कारण प्रमुख हैं। इन कारणों को हम निम्न लिखित बिन्दुओं के द्वारा समझ सकते हैं-

व्यक्तिगत या परिवारिक कारण:-

- कुछ बच्चों के सरंक्षाक बहुत सख्त होते हैं, जो हर समय छोटी-छोटी बात पर डॉंटते व मारते रहते हैं, जिसके कारण बच्चें बाहर रहना अधिक पसन्द करते हैं या विद्यालय जाते हैं तो हर समय तनावग्रस्त रहते हैं। बच्चों में अध्ययन के प्रति अरूचि उत्पन्न होने लगती हैं।
- कभी-कभी सरंक्षाक भी अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति लापरवाही बरततें हैं।
- कभी-कभी परिवार के बड़ा होने के कारण बच्चें पढ़ाई पर ध्यान नही देते।
- घर में पढ़ाई के अनुकूल वातावरण न होने के कारण बच्चें पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं।

आर्थिक कारण:-

- आर्थिक कमी की वजह से छात्रों को सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री नही प्राप्त हो पाती, जिसकी वजह से वह चाह कर भी नही पढ़ पाता।
- कभी-कभी छात्र किसी अन्य विद्यालय में पढ़ना चाहता हैं, परन्तु कुछ कारणो से उसे दूसरे विद्यालय में पढ़ना पढ़ता हैं, जैसे:- पिता जी का किसी अन्य शहर में स्थानान्तरण हो जाने के कारण उसकी पढ़ाई से रूचि कम होने लगती हैं।

संस्थागत कारण:-

- विद्यालय का वातावरण अध्ययन व अध्यापन के अनुकूल न होने से बच्चें पढ़ाई पर ध्यान नही देते।

Snow Kids

- शिक्षाक के द्वारा उचित शिक्षाण विधियों व प्रविधियो का प्रयोग न किये जाने के कारण बच्चों की पढ़ाई से रूचि कम होने लगती हैं।
- शिक्षाक के अत्यधिक कठोर होने के कारण छात्र अध्ययन से भागने लगते हैं।
- कक्षा में पढ़ने वाले सहपाठियों के द्वारा सहयोग न दिये जाने के कारण छात्र पढ़ाई से अलग हटने लगते हैं।
- शिक्षाक के द्वारा मानचित्र तथा उचित चित्रों व मॉडल आदि का प्रयोग न किये जाने के कारण बच्चों की पढ़ाई से रूचि कम होने लगती हैं।

सामाजिक कारण:-

- भारत के कुछ भागो में आज भी जॉति-पाति व धार्मिक भेदभाव को मान्यता प्राप्त हैं, ऐसी दशाओं में समाज व कक्षा में पढ़ने वाले सहपाठियों के द्वारा सहयोग न दिये जाने के कारण छात्र पढ़ाई से अलग हटने लगते हैं।

मनोवैज्ञानिक कारण:-

- समाज में व्याप्त बेरोजगारी की समस्या के कारण छात्र यह अनुभव करने लगता हैं कि जब उसे नौकरी मिलेगी ही नही तो वह पढ़ कर क्या करेगा। अत: उसकी रूचि पढ़ाई से कम होने लगती हैं।

Snow Kids

समस्या का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने **"सामाजिक विज्ञान के छात्रों में इतिहास विषय के प्रतिअरूचि के कारणो का अध्ययन"**किया हैं।

समस्या का परिसीमन

इस समस्या के कारणो का अध्ययन करने हेतु व इसका समाधान करने हेतु "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय", गॉधी नगर, कानपुर के कक्षा 9के विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	विद्यालय का दूषित वातावरण	वातावरण का अवलोकन करके	अनुमान	नियत्रणं से बाहर	6
2	विद्यालय के प्रशासन तंत्र की निर्बलता	छात्रों में व्याप्त इतिहास विषय के प्रति अरूचि का निरिक्षण करके	तथ्य	शिक्षक, प्रबन्धक व प्रधानाचार्य के सहयोग से नियत्रणं किया जा सकता हैं।	3
3	छात्रों के पास सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री का आभाव	विद्यार्थियों से पूछताछ करके	तथ्य	शिक्षा विभाग एवं राज्य केन्द्र सरकार के द्वारा नियंत्रण किया जा सकता हैं।	4
4	शिक्षाण प्रकिया के समय छात्रों में विषय के प्रति अरूचि तथा अन्य क्रियाओं में लिप्त होना	कक्षा में प्रत्यक्ष निरीक्षण के द्वारा	तथ्य	नियत्रणं नही किया जा सकता।	5
5	छात्रों से ऐतिहासिक घटनाओं का विश्लेषण कार्य न करवाना	छात्रों से पूछताछ करके	तथ्य	शिक्षाकों की सहायता से नियंत्रित किया जा सकता हैं।	1
6	संरक्षाकों का बच्चों के प्रति लापरवाही बरतना	संरक्षाकों से साक्षात्कार द्वारा ज्ञात किया	तथ्य	नियंत्रित किया जा सकता हैं।	2

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैं जिन पर अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने यहाँ पर समस्या के समाधान हेतु दो परिकल्पनाये बनायी हैं:-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय के उन समस्त छात्रों को जो इतिहास विषय में अरूचि रखते हैं, समझाकर तथा उनके अभिभावकों एवं अध्यापको के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके विद्यालय के छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रूचि को उत्पन्न किया जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

उन सार्थक उपायों को लागू करके जो शिक्षाक तथा विद्यालय प्रशासन के द्वारा बनायें गये हैं, इतिहास विषय में अरूचि रखने वाले छात्रों में अनुशासन पूर्वक अध्ययन करने की प्रवृत्ति का विकास किया जा सकता हैं।

Snow Kids

उपकरणों का चयन

समस्या के अध्ययन हेतु बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षण के लिये अनुसंधानकर्ता ने कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्न उपकरणों का चयन किया :-

- प्रेक्षण/निरीक्षण
- साक्षात्कार
- प्रतिपृच्छा
- सूचना

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि-

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक ने विद्यालय का निरीक्षण किया।	विद्यालय के वातावरण के सम्बन्ध में प्रधानाचार्य से विचार-विमर्श	प्रधानाचार्य से विचार-विमर्श करके	3दिन
2	छात्राध्यापक ने इतिहास विषय में अरूचि के कारणों का पता लगाया।	छात्रों से पूछताछ करके तथा छात्रों की गतिविधियों को गुप्त रुप से देखकर।	प्रतिपृच्छा	6 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से सभी छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	अध्यापक व प्रधानाचार्य की सहमति से सभी छात्रों की डायरी में सूचना लिखकर।	अभिभावको को सूचना	1 दिन
4	अभिभावकों से विचार-विमर्श के समय छात्राध्यापक द्वारा उन्हें बालक की आपराधिक प्रवृत्ति के सम्पूर्ण कारण बताये गये।	उन कारणों की जानकारी दी गयी जिससे छात्र इतिहास विषय में अरूचि लेते हैं, शिक्षण प्रक्रिया के दौरान अन्य क्रियाओं में लिप्त हो जाते हैं या पलायन कर जाते हैं तथा उन तथ्यों पर अमल करने की सलाह दी गयी जिनसे छात्र इतिहास विषय में रूचि लेने लगें।	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	2 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षण हेतु 12 दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अभिभावको के प्रयास से छात्रों में इतिहास विषय के प्रति कुछ रूचि उत्पन्न हुई हैं किन्तु वे कक्षा में पूर्ण रूप से अनुशासित नही हैं, और उनमें अभी भी उतनी रूचि उत्पन्न नही हुई हैं जो संतोषजनक हो।

अतः छात्राध्यापक को 12 दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। तत्पश्चात् छात्राध्यापक ने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य किया, जो अग्रतालिका में विस्तृत रूप से दिया गया हैं।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि-

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक ने कक्षा में छात्रों को इतिहास विषय में अरूचि से होने वला हानियाँ बताकर उन्हें अनुशासनपूर्वक नियमित रूप से पढ़ने की प्रेरणा दी गयी।	विद्यालय से पलायन तथा इतिहास विषय में अरूचि से होने वाली हानियाँ बताकर तथा अतीत की घटनाओं का विश्लेषण व वर्णन करके।	सुझाव	4 दिन
2	छात्राध्यापक व अध्यापकों के मध्य उचित शिक्षण विधियों व प्रविधियो के प्रयोग व कुशल ढंग से पढ़ाने के तरीको की चर्चा की गयी।	अध्यापकों के मध्य परिचर्चा के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।	साक्षात्कार	4 दिन
3	छात्राध्यापक के सुझाव पर विद्यालय के प्रशासन को चुस्त बनाकर लागू किया गया।	प्रधानाचार्य व प्रबन्धक के मध्य बैठक में विद्यालय के प्रशासन को चुस्त बनाने की कार्यवाही की गयी।	प्रधानाचार्य व प्रबन्धक की सहायता	3 दिन
4	छात्रों की विभिन्न प्रवृत्तियों की तथा कक्षा में अनुशासनपूर्वक अध्ययन करने की जानकारी ली गयी और शिक्षण कार्य किया गया।	विद्यालय में शिक्षण अवधि में छात्रों के क्रियाकलापों की जॉच की गयी तथा पढ़ाये गये नैतिक पाठ से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर कार्य किया गया।	प्रेक्षण/ निरीक्षण	6 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परीक्षण हेतु 17 दिनों तक कार्य किया और छात्राध्यापक ने देखा कि विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार हुये हैं। इस प्रकार यह पाया गया कि अभिभावकों, शिक्षकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रूचि उत्पन्न हो गयी हैं। जो छात्राध्यापक के लिये संतोषजनक परिणाम हैं। अत: छात्राध्यापक को अपने निरीक्षण में क्रिया-कलापों, साक्षात्कार व शिक्षण के द्वारा पता चला कि छात्रों की समाजिक विज्ञान में इतिहास विषय के अध्ययन में जो अरूचि थी वह समाप्त होकर अपेक्षापूर्वक रूचि में बदल गयी हैं।

Snow Kids

परिणाम:-

छात्राध्यापक के द्वारा विद्यालय के छात्रों में इतिहास विषय के शिक्षण में अरूचि को रूचि में बदलने के लिये लगभग 29 दिनों तक दो क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणाम स्वरूप यह देखा गया कि समस्या के अध्ययन में सम्मिलित सभी 23 विद्यार्थियों में इतिहास शिक्षण के प्रति अरूचि समाप्त हो गयी हैं और सभी 23 विद्यार्थी विद्यालय में अनुशासनपूर्वक अध्ययन करने लगे हैं।

परियोजना का मूल्यांकन:-

छात्राध्यापक ने लगभग 29 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य किया तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य शिक्षाको से साक्षात्कार के माध्यम से आँकड़े एकत्र किये। एकत्रित आँकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 9 के इतिहास शिक्षण में रूचि न लेने वाले विद्यार्थियों के कार्यो में काफी सुधार आया हैं। अब वे नियमित रूप से विद्यालय में आकर कक्षा में रूचि पूर्वक अध्ययन कार्य करने लगे हैं। अतः छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल हुई और परियोजना की सफलता से विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा विद्यालय सभी को लाभ हुआ।

निष्कर्ष:-

परियोजना के उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता हैं कि विद्यार्थियों को उचित निर्देश एवं परामर्श देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं उनसे स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का समाधान किया जा सकता हैं। अतः अध्यापकों को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देश के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षो के आधार पर शिक्षाकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैं:-

- शिक्षाकों को कक्षा में विषय और पाठ के प्रति रोचकता उत्पन्न करनी चाहियें।
- विद्यार्थियों को समय-समय पर नैतिकता व अच्छे चरित्र वाले व्यक्तियों का उदाहरण देना चाहिये।
- शिक्षाको तथा प्रधानाचार्य को विद्यार्थियों की आपराधिक प्रवृत्ति से सम्बन्धित वस्तविक समस्या पर अध्ययन करना चाहिये ताकि विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार हो सके।
- शिक्षाकों को ऐसे साधनो का उपयोग कक्षा में करना चाहिये जो पाठ या विषय से सम्बन्धित हों और उनके माध्यम से रोचकता को बनाये रखने का प्रयास करना चाहिये।
- प्रधानाचार्य व प्रबन्धक को अपने विद्यालय में समुचित शासन व्यवस्था लागू करनी चाहिये तथा उल्लंघन करने पर उचित दण्ड देना चाहिये।
- शिक्षाको को आपराधिक प्रवृत्ति वाले छात्रों को पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेने के लिये प्रेरित करना चाहिये।

Snow Kids

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, डा० कर्ण, (2006) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- पाठक, पी० डी०, (2009) सामाजिक विज्ञान शिक्षण शिक्षण, विनोद प्रस्तक मंदिर, आगरा।
- शर्मा, आर. ए, (2004) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, लाल बुक डिपो, मेरठ।
- शील, अवनीन्द्र, (2007) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
- त्यागी, गुरूसरन दास, सामाजिक अध्ययन का शिक्षण (2008), अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011